an>

Title: Need to conserve water reserves.

श्री मानशंकर निनामा (बांसवाड़ा) : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि मेरा संसंदीय क्षेत्र बांसवाड़ा-डुंगरपुर वन और पहाड़ वाला इलाका है। यहां गर्मी के महीने शुरू होते ही पानी की जबरदस्त किल्लत हो जाती है। कई स्थानों पर पानी लाने के लिए लोगों को कोसों दूर जाना पड़ता है। ऐसे में वहां के लोग, विशेÂ◌ाकर महिलाओं का जीवन भी संकट में रहता है।

सभापति महोदय, यहां पानी के स्रोत नदी-नालों के रूप में उपलब्ध हैं, लेकिन छिछला ताल होने के कारण वह पानी बह जाता है। मेरी आपसे प्रार्थना है कि ऐसे प्राकृतिक जल के स्रोतों को एनिकट से रुकवाया जाये उसका शुद्धिकरण करके पीने योग्य बनाया जाये, ताकि लोगों को जल के संकट से तत्काल राहत मिल सके।

माननीय सभापति :

श्री सी.पी. जोशी और

श्री सुधीर गुप्ता को श्री मानशंकर निनामा द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।